हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 38 | देहरादून, बृहस्पतिवार, 28 जुलाई, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

नेताओं का श्रवण कुमार, कंधे पर पीएम मोदी और सीएम धामी की तस्वीर लेकर करी यात्रा 4

पांचवे गेयर में धामी सरकार योजनाओं को मिलेगी रफ्तार

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आने वाले दिनों में अगर आपको उत्तराखंड में फाइलों की रफ़्तार तेज़ नज़र आये या फिर निर्माण करों में मशीनें रफ़्तार से काम करती दिखें तो हैरान मत होइएगा क्योंकि जो इनर्जी ड्रिंक बीते दिनों पीएम नरेंद्र मोदी ने सीएम धामी को पिलाई है , उसके बाद सरकार और मशीनरी की रफ़्तार बढ़ना तय है। ख़ास बातें क्या हैं इसपर गौर करें तो जीएसटी प्रतिपूर्ति के रूप में केंद्रीय सहायता बंद होने से उत्तराखंड ने अब अपने राजस्व के स्रोत बढ़ाने की दिशा पर काम शुरू कर दिया है। इस एवज में राज्य को हर साल लगभग 5500 करोड़ रुपये मिलते थे। इसकी भरपाई के लिए सरकार ने जीएसटी बढ़ाने को लीकेज दूर करने का निर्णय लिया है।

सीएम धामी ने ऐसे सभी विभागों को राजस्व बढ़ाने की हिदायत दी। धामी ने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन और उद्योगों को बढ़ावा देगी। इससे राज्य के युवाओं के समक्ष जहां रोजगार के अवसर पैदा होंगे, वहीं जीएसटी के रूप में टैक्स भी मिलेगा।

इसके बाद बड़ा बदलाव दिखने वाला है योजनाओं के निर्माण कार्यों से जुड़ा हुआ क्योंकि मुख्यमंत्री धामी ने फैसला किया है कि केंद्रीय योजनाएं आयुष्मान भारत, पीएम शहरी व ग्रामीण आवास, स्वनिधि योजना, जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारता अभियान, जन आरोग्या योजना,स्किल डेवलपमेंट, , नेचुरल फार्मिंग, श्रम सुधार, पीएम गति शक्ति, किसान सम्मान निधि, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, स्टार्ट अप, महिला उद्यमिता, अमृत सरोवर समेत तमाम योजनाओं की 15 दिन के भीतर विभागीय अफसरों के साथ मानिटिरंग करेंगे। समय पर योजनाओं का क्रियान्वयन न कर पाने वाले अफसरों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कारवाई की जाएगी।

तो चलिए देखते हैं कि मुख्यमंत्रियों के साथ प्रधानमंत्री मोदी ने जो बैठक कर प्रशासनिक मन्त्र दिया है उसका कितना फायदा उत्तराखंड के विकास में मिलेगा।

एक इंटरव्यू में द्रौपदी मुर्मू ने बताया अपना असली नाम.....

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

25 जुलाई को द्रौपदी मुर्मू ने नए राष्ट्रपति के रूप में देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद की शपथ ली। द्रौपदी मुर्मू ने विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को हराकर राष्ट्रपति चुनाव जीता। शपथ लेने के बाद द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति के तौर पर राष्ट्र के नाम अपना संबोधन दिया. द्रौपदी मुर्मू ने सफेद साड़ी में हरे और लाल रंग के बॉर्डर के साथ तिरंगा लहराते हुए सोमवार को भारत के 15वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। उन्हें 21 तोपों की सलामी दी गई जिसके बाद उन्होंने तालियों की गड़गड़ाहट और मेजों की गड़गड़ाहट के बीच शपथ रजिस्टर पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में नए राष्ट्रपति ने तीनों सेनाओं के गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया।

राज्य के प्रमुख बनने वाले पहले आदिवासी नेता, मुर्मू ने एक इंटरव्यू में बताया किया कि उनका पहला नाम 'द्रौपदी' उनका मूल नाम नहीं है। यह नाम 'द्रौपदी' दरअसल उनके स्कूल टीचर ने दिया था। आपको बता दें कि ओडिशा की मशहूर मैगजीन को दिए इंटरव्यू के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस बात का खुलासा किया था। दरअसल उन्होंने इंटरव्यू में बोला ₹द्रौपदी मेरा मूल नाम नहीं था। यह मेरे शिक्षक द्वारा दिया गया था। मुर्मू ने कहा कि उसका संथाली नाम 'पुति' है और इसे 'अच्छे के लिए' एक शिक्षक द्वारा 'द्रौपदी' में बदल दिया गया है।

उन्होंने पत्रिका को बताया कि शिक्षक को मेरा पिछला नाम पसंद नहीं आया और इसे अच्छे के लिए बदल दिया। आदिवासी बहुल मयूरंझ जिले के शिक्षक 1960 के दशक में बालासोर या कटक से यात्रा करते थे। मुर्मू ने कहा, उनका नाम कई बार बदला गया - 'दुरपदी' से 'दोरपडी' और अन्य रूपों में। संथाली संस्कृति में नाम नहीं मरते, अगर एक लड़की पैदा होती है, तो वह अपनी दादी का नाम लेती है, जबकि एक बेटा अपने दादा का दिया जाता है।

बढ़ रही कोरोना की रफ्तार, 284 नए संक्रमित मिले, 1301 पहुंची सक्रिय मरीजों की संख्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में कोरोना संक्रमण की रफ्तार बढ़ रही है। बीते 24 घंटे के भीतर प्रदेश में 284 नए संक्रमित मिले हैं। जबकि 152 मरीज ठीक हुए हैं। बुधवार को एक भी संक्रमित मरीज की मौत नहीं हुई है। वहीं, सक्रिय मरीजों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। प्रदेश में फिलहाल 1301 कोरोना मरीजों का इलाज चल रहा है। जबकि मंगलवार को प्रदेश में 1180 सक्रिय मरीज थे।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक बुधवार को 1524 सैंपलों की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है। वहीं, देहरादून जिले में सबसे ज्यादा 164, हरिद्वार में 20, नैनीताल में 41, ऊधमसिंह नगर में 17, अल्मोड़ा में 15, चमोली में 10, बागेश्वर और चंपावत में दो-दो, पौड़ी में पांच, पिथौरागढ़ में एक, रुद्रप्रयाग में तीन व टिहरी में चार संक्रमित मरीज सामने आए हैं। उत्तरकाशी जिले में एक भी संक्रमित मरीज सामने नहीं आया। प्रदेश की रिकवरी दर 94.79 प्रतिशत और संक्रमण दर 15.71 प्रतिशत दर्ज की गई।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को सचिवालय में चल रहे कोविड टीकाकरण कैंप का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कोविड टीकाकरण अभियान से जुड़े स्वास्थ्य कार्मिकों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कोविड टीकाकरण के लिए आए लोगों से बातचीत भी की। सचिवालय में कोविड टीकाकरण अभियान के तहत बूस्टर डोज लगाई जा रही है। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी भी उपस्थित थीं।

ऋषिकेश में एसपीएस राजकीय चिकित्सालय में आरपीएफ महिला समेत सात लोग कोरोना संक्रमित मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से संक्रमित मरीजों को होम आइसोलेट किया गया है। सरकारी अस्पताल के कोविड पर्यवेक्षक एसएस यादव ने बताया कि बुधवार को सरकारी अस्पताल में सात लोगों की रिपोर्ट कोरोना संक्रमित मिली है, जिसमें एक महिला आरपीएफ, एक महिला गंगानगर, एक महिला ढालवाला, एक युवक श्यामपुर, एक युवक गुमानीवाला, एक युवक नंदू फार्म और एक युवक इंदिरानगर के शामिल हैं। इसके अलावा सरकारी अस्पताल में 18 लोगों की आरटीपीसीआर जांच की गई।

दुगड्डा ब्लाक के गोदी बड़ी गांव में पिंजरे में फंसा गुलदार

कोटद्वार : प्रखंड दुगड्डा के अंतर्गत ग्राम गोदी बड़ी में महिला को निवाला बनाने वाला गुलदार बुधवार रात सवा नौ बजे करीब पिंजरे में फंस गया। बुधवार सुबह वन विभाग ने शिकारी के साथ ही पशु चिकित्सक की भी तैनाती कर दी थी। बीते मंगलवार को ग्राम गोदी बड़ी निवासी रीना देवी को गुलदार ने उस वक्त निवाला बना दिया, जब वह अपने पुत्र को राइंका दुगड्डा में छोड़ घर की ओर लौट रही थी। घटना के बाद गांव में दहशत फैल गई थी। ग्रामीणों ने गुलदार को आदमखोर घोषित करने की मांग को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम भी लगाया था। घटना के बाद लैंसडौन वन प्रभाग की ओर से घटनास्थल के समीप दो पिंजरे लगा दिए गए थे। साथ ही ट्रैप कैमरे भी लगाए गए। लेकिन, गुलदार पिंजरे में नहीं फंस सका।

13 दिन में हरिद्वार आए पौने चार करोड़ कांवड़िए, सैंपलिंग हुई मात्र 1907

कांवड़ मेला तो सकुशल संपन्न हो गया, लेकिन धर्मनगरी में कोरोना प्रसार का खतरा एक बार फिर डराने लगा है। इसकी वजह कांवड़ मेले में उमड़ी तीन करोड़ 79 लाख 70 हजार लोगों की भीड़ है। कांवड़ मेले में कुंभ की तरह कई राज्यों से पहुंचे लोग गंगा स्नान कर वापस लौटे हैं। इस अवधि में उत्तराखंड ही नहीं, देशभर में कोरोना के नए मामले भी तेजी से बढ़े हैं लेकिन हरिद्वार में सैंपलिंग बंद रही है। कांवड़ अवधि के 13 दिनों में मात्र 1907 कोरोना आशंकितों के सैंपल लिए गए। वायरल फीवर और डायरिया के बढ़ते मामलों ने कोरोना संक्रमण के खतरे को और अधिक प्रबल बना दिया है। 14 जुलाई से कांवड़ मेला शुरू हुआ। 26 जुलाई को मेले का समापन हो गया। हरिद्वार में पूरे साल श्रद्धालुओं की आवाजाही रहती है। औसतन प्रतिदिन डेढ़ से दो लाख लोग वाया हरिद्वार होकर आवाजाही करते हैं। हरिद्वार पहुंचने पर गंगा स्नान भी करते हैं।

भारत की वो जगह जहां आपको खाने, पीने, रहने की सारी सुविधाएं मुफ्त मिलेंगी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

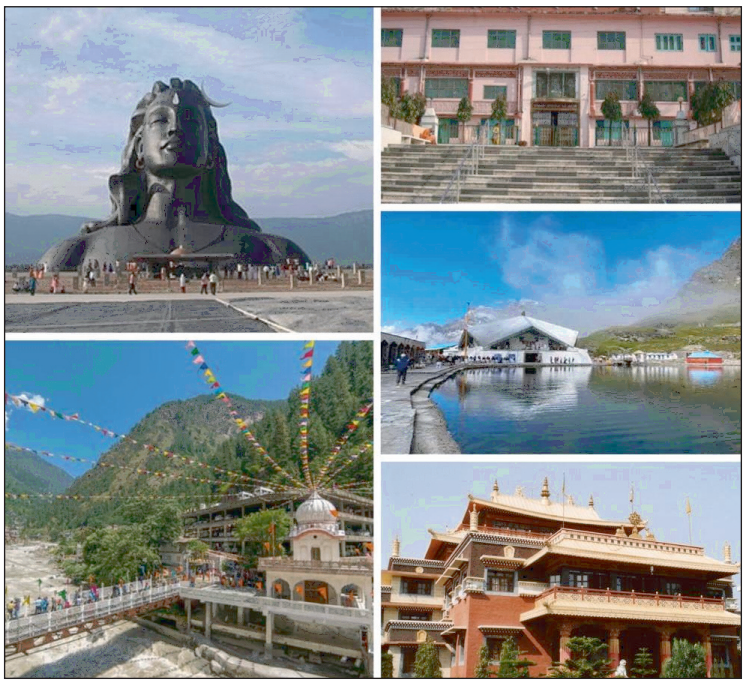

क्या आप सोच रहे हैं कि यह सब सिर्फ ध्यान आकर्षित करने के लिए लिखा गया है, नहीं यह सच है टीम न्यूज़ वायरस इस खबर के माध्यम से आपको जानकारी पहुंचना चाहता हैं। हम आपको ऐसे जगह बताएगा जहाँ आपको रेहना खाना पीना सब मुफ्त में मिलेगा। और ये सारी घूमने की जगह है। अक्सर देखा गया है ट्रिप प्लान करते समय लोगों की सबसे बड़ी टेंशन होती हैं पैसा। इस तरह की दिक्कतों का सामना उन लोगों को काफी ज्यादा करना पड़ता है जो बजट ट्रैवलिंग करना चाहते हैं। बजट ट्रैवलिंग में कहीं रहने में सबसे ज्यादा खर्चा आता है।

ट्रिप प्लान करते वक्त लोग अक्सर कम बजट में ज्यादा ट्रैवल करने की कोशिश करते हैं। ऑफ सीजन में ऐसा करना संभव है क्योंकि इस दौरान पर्यटक स्थलों पर लोगों के कम आने के कारण होटल अपने रेट कम कर देते हैं। वहीं ऑन सीजन में होटलों के रेट काफी महंगे हो जाते हैं और विकल्प न होने के कारण लोगों को महंगी जगहों पर रहना पड़ता है।

आइए जानते हैं इन जगहों के बारे में-

ईशा फाउंडेशन- ईशा फाउंडेशन कोयंबटूर से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित है। यह सद्गुरु का एक धार्मिक केंद्र है, जहां आदियोगी शिव की एक बहुत ही सुंदर और बड़ी मूर्ति भी है। यह केंद्र योग, पर्यावरण और सामाजिक कार्य के क्षेत्र में काम करता है। आप चाहें तो यहां भी अपना योगदान दे सकते हैं। यहां आप फ्री में रह सकते हैं। मणिकरण साहिब गुरुद्वारा (हिमाचल प्रदेश)- अगर आप हिमाचल प्रदेश घूमने जा रहे हैं तो मणिकरण साहिब गुरुद्वारे में फ्री में ठहर सकते हैं। यहां आपको मुफ्त पार्किंग और खाने की सुविधा भी मिलती है। मणिकरण साहिब गुरुद्वारा पार्वती नदी के पास स्थित है।

आनंदाश्रम (केरल)- केरल की खूबसूरत पहाड़ियों और हरियाली के बीच आनंदाश्रम में रहना एक अलग ही अनुभव साबित हो सकता है। आप इस आश्रम में मुफ्त में रह सकते हैं। आश्रम में आपको दिन में तीन बार खाना भी दिया जाता है, जो बहुत ही कम मसालों में तैयार किया जाता है। गीता भवन (ऋषिकेश)- पवित्र गंगा के तट पर स्थित गीता भवन में यात्री निःशुल्क ठहर सकते हैं। इसके साथ ही यहां आपको खाना भी फ्री में दिया जाता है। इस आश्रम में करीब 1000 कमरे हैं जहां दुनिया भर से लोग आकर ठहरते हैं। आश्रम द्वारा सत्संग और योग के सत्र भी दिए जाते हैं।गोविंद घाट गुरुद्वारा (उत्तराखंड)- यह गुरुद्वारा उत्तराखंड के चमोली जिले में अलकनंदा नदी के पास स्थित है। यहां आने वाले पर्यटक, ट्रेकर्स और श्रद्धालु यहां फ्री में ठहर सकते हैं। गुरुद्वारे से आप पहाड़ों का खूबसूरत नजारा देख सकते हैं।तिब्बती बौद्धिस्ट मोनेस्ट्री सारनाथ- उत्तर प्रदेश में स्थित इस ऐतिहासिक मठ में एक रात ठहरने का किराया मात्र 50 रुपये है। इस मठ का रखरखाव लाधन छोत्रुल मोनालम चेनामो ट्रस्ट द्वारा किया जाता है। इस मठ में भगवान बुद्ध के एक रूप शाक्यमुनि की मूर्ति है।

सोशल मीडिया पर स्टंट वीडियो बनाने के लिए, किए 76 दुपहिया वाहन चोरी...

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सोशल मीडिया का क्रेज इस कदर बढ़ता जा रहा है कि लोग अब कुछ भी करने को तैयार हैं। अब लोग सोशल मीडिया पर वीडियो डालने के लिए चोरी भी करने लग गए है, ऐसा ही एक मामला सामने आया है।मामला कर्नाटक के बेंगलुरु का है। पुलिस ने एक 24 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसने सोशल मीडिया पर स्टंट की वीडियो डालने के लिए 76 दोपहिया वाहनों की चोरी करी,पहिएदार स्टंट किए और उन्हें बेचा।

पुलिस उपायुक्त साउथ ईस्ट जोन सी.के बाबा ने अपनी टीम के साथ मिलकर मामले इस मामले का पर्दाफाश किया।बता दे की पुलिस ने 24 वर्षीय सुहैल को गिरफ्तार किया, जो तीन साल की अवधि में 76 बाइक की चोरी करने में शामिल था। अपने इंस्टाग्राम बायो पर वह खुद को एक पेशेवर स्टंट खिलाड़ी बताते हैं। उन्होंने व्हीली स्टंट करते हुए अपने कई वीडियो इंस्टाग्राम पर अपलोड किए। पुलिस ने कहा कि सुहैल ने 76 दोपहिया वाहन चुराए थे और उसका काम करने का तरीका ताले तोड़कर, नंबर प्लेट हटाकर, स्टंट करके, सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड करके और फिर अलग-अलग राज्यों में वाहनों को औने-पौने दामों में बेचकर वाहनों की चोरी करना था।24 वर्षीय सुहैल ने 76 बाइक्स में से 53 Honda Dios चुराए थीं, और नौ Honda Activas चुराए थीं। ज्यादातर मामले कर्नाटक के बैंगलोर के मीको लेआउट पुलिस स्टेशन में दर्ज किए गए थे। पुलिस ने चोर को पकड़ सारे वाहनों को अपने हिरासत में लेलिया है।

धर्म और भगवा की आड़ में नाकामी छिपा रही मंत्री रेखा आर्य : आम आदमी पार्टी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में आम आदमी पार्टी की तेजतर्रार प्रवक्ता और पूर्व कांग्रेस की वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमलेश रमन ने धामी सरकार की महिला एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्य पर जमकर हमला बोला है। आप नेता कमलेश रमन ने मंत्री रेखा आर्य की कावड़ यात्रा के औचित्य और उपयोगिता पर सवाल खड़े करते हुए कहा है कि यह न सिर्फ सरकारी धन का दुरुपयोग है बल्कि अपनी नाकामी छिपाने के लिए अपनाया गया एक हथकंडा है।

हिंदी दैनिक न्यूज़ वायरस से विशेष बातचीत करते हुए आप प्रवक्ता कमलेश रमन ने कहा कि राजनीति में धर्म का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए क्योंकि जनता ने नेताओं को विधायक , मंत्री इसलिए बनाया है कि वह प्रदेश की सेवा करें ना कि पोस्टर बैनर और मीडिया की सुर्खियों के लिए भगवा पहन कर ड्रामेबाजी करें।

न्यूज़ वायरस ने जब आप की वरिष्ठ प्रवक्ता कमलेश रमन से पूछा कि महिला एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्य की कावड़ यात्रा से विपक्ष को क्यों आपत्ति है तो इस सवाल के जवाब में आम आदमी पार्टी का पक्ष रखते हुए प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं की स्वास्थ्य , शिक्षा और रोजगार की बदहाल स्थिति बताती है कि प्रदेश की भाजपा सरकार और खासकर महिला विकास मंत्री रेखा आर्य किस कदर नाकाम साबित हुई है। यही वजह है कि अब वह प्रोपोगंडा करना और इस तरह के उल जलूल आयोजनों के जरिए अपना ध्यान आकर्षित करना चाह रही हैं। जिसकी फिलहाल प्रदेश की जनता को न आवश्यकता है और ना ही इससे उत्तराखंड का कोई फायदा होने वाला है।

न्यूज़ वायरस ने जब आम आदमी पार्टी प्रवक्ता से इकलौती महिला मंत्री की उपलब्धियों के बारे में राय जाननी चाही तो रमन ने कहा कि हम इस सरकार में इकलौती महिला मंत्री होने के नाते प्रदेश की मातृशक्ति और आंदोलनकारी महिलाओं को बड़ी उम्मीद थी, उन्हें लगता था की इकलौती कैबिनेट मंत्री होने के नाते महिलाओं की वेदना, उनकी जरूरतें और समस्याएं मंत्री रेखा आर्य समझेंगी । लेकिन लगता है वह अपने प्रचार प्रसार और ब्रांडिंग में ही सारा समय और बजट खर्च कर देना चाहती हैं। क्योंकि अगर उनकी नीयत प्रदेश के विकास और उन्नति की होती तो मंत्री जी की यह यात्रा भगवा होकर प्रचार कमाने की बजाय पहाड़ की ओर होती , जहां अस्पतालों में न दवाएं हैं , न मशीनरी है न स्कूलों में टीचर है और ना ही पहाड़ की महिलाओं के पास रोजगार । ऐसे में आम आदमी पार्टी महिला एवं बाल विकास मंत्री से मांग करती है कि वह ऊल जलूल योजनाओं के जरिए जनता का ध्यान भटकाने की बजाए जनता के दिए वोटों को सार्थक बनाने के लिए जनहित की योजनाओं पर काम करें ।

अगर ऐसा नहीं होता है तो प्रदेश की महिलाओं को जागृत करने के लिए आम आदमी पार्टी बड़ा आंदोलन खड़ा करेगी। क्योंकि यह प्रदेश मातृशक्ति के सशक्त आंदोलन की बदौलत बना है। ऐसे में अगर भाजपा सरकार के नाकाम मंत्रियों की असलियत प्रदेश को दिखानी है तो आम आदमी पार्टी महिलाओं के हितों के लिए और सरकार के नाकाम मंत्रियों की असलियत बताने के लिए जल्द ही सड़कों पर उतरेगी....

बृजेश संत का हल्लाबोल जारी, महालक्ष्मी बिल्डवेल के 5 स्टार होटल को कर दिया सील

बृजेश कुमार संत,उपाध्यक्ष,एमडीडीए

मोहन बरनिया सचिव,एमडीडीए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। महालक्ष्मी बिल्डवेल एवं मंजीत जौहर द्वारा , 265/614 न्यू राजपुर रोड़ पर पांच सितारा होटल का मानचित्र स्वीकृत कराया था परंतु विभिन्न विभागों की अनापत्ति पत्र प्राप्त किये विना ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया था , जिसे प्राधिकरण सचिव श्री मोहन सिंह बर्निया के आदेशों पर आज सील कर दिया गया ।सचिव श्री बर्निया, अधिशासी अभियंता अजय माथुर, सहायक अभियंता अभिषेक भारद्वाज, अवर अभियंता गोविंद सिंह , पुलिस फ़ोर्स स्थल पर उपस्थित थे ।कार्यवाही शांतिपूर्ण रूप से सम्पन्न की गई ।

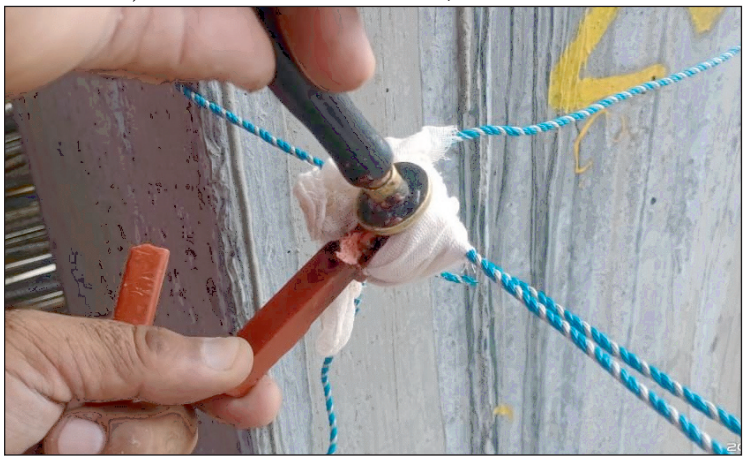

मल्लीताल, नैनीताल में लैंड यूज के संबंध में सिंगल आवासीय मद को स्वीकृति, विधानसभा सत्रावसान को मिली मंजूरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। पुष्कर सिंह धामी मंत्रिमंडल की बैठक लगभग डेढ़ महीने बाद बुधवार सायं पांच बजे सचिवालय में हुई। बैठक में स्वास्थ्य, शहरी विकास, पर्यटन, उद्योग, राजस्व, खाद्य समेत विभिन्न विभागों से संबंधित 28 निर्णय लिए गए।

कैबिनेट के निर्णय :

योजना आयोग, राजपत्रित संशोधन सेवा से सम्बन्धित दो नियमावलियों को अनुमोदन प्रदान किया गया।

सिंचाई विभाग के अन्तर्गत उत्तराखण्ड परियोजना विकास एवं निर्माण निगम लि0 को कार्यदायी संस्था के रूप में मंजूरी दी गई।

एक्स-रे टैक्निशियन पद के लिये अब केवल 100 अंको के टैक्निकल टेस्ट को मंजूरी दी गई।

मल्लीताल, नैनीताल में लैण्ड यूज के सम्बन्ध में सिंगल आवासीय मद को स्वीकृति दी गई।

ग्राम विकास विभाग के अन्तर्गत गढ़वाल कुमांयू में रूरल बिजनेस इंक्यूवेटर सेंटर से सम्बन्धित नियमावली, मार्गदर्शी सिद्धान्त को मंजूरी दी गई। सभी जिलों में सूचना केन्द्र के रूप में इंक्यूवेटर सेंटर खोले जायेंगे।

अब मंत्रिमण्डल ऑफिस भी ई-ऑफिस के रूप में कार्य करने की मंजूरी।

वर्ष 2019 उधम सिंह नगर कलैक्ट्रेट कर्मियों के 6 दिन के बहिष्कार अवधि का वेतन अर्जित अवकाश के रूप में आहरण हेतु मंजूरी।

सेवा का अधिकार आयोग से सम्बन्धित वार्षिक प्रतिवेदन को विधानसभा पटल पर रखने की मंजूरी।

एमएसएमई 2015 की नीति के तहत सब्सिडी प्राप्त करने हेतु पहले से पूर्व पंजीकृत होना जरूरी था किन्तु जानकारी के अभाव में इससे संबंधित लगभग 100 लाभार्थी सब्सिडी वंचित रह गये थे। इन लाभार्थी को भी छूट देते हुए सब्सिडी देने की मंजूरी।

एमएसएमई के अन्तर्गत भूखंड बिक्री को सर्कल रेट से लिंक करने की मंजूरी।

विधानसभा सत्रावसान को मंजूरी दी गई।

कौशल एवं सेवायोजन विभाग से सम्बन्धित अनुदेशक सेवा नियमावली 2007 संशोधन की मंजूरी।

केदारनाथ पुनर्निर्माण मास्टर प्लान बनाने वाली फर्म को सोनप्रयाग में भी मास्टर प्लान बनाने को मंजूरी।

किच्छा शुगर मिल से संबंधित वार्षिक प्रतिवेदन को विधानसभा पटल पर रखने की मंजूरी दी गई।

बद्रीनाथ केदारनाथ में कार्य करने वाली पीएमसी का एग्रीमेंट यूटीडीबी के साथ था अब यूटीडीबी के बजाय बद्रीनाथ केदारनाथ उत्थान चैरिटेबल ट्रस्ट के साथ एग्रीमेंट को मंजूरी दी गई।

चीनी मिल गदरपुर की सरप्लस भूमि को सरकारी विभागों की आवश्यकता पूरी करने के बाद अन्य के लिये निस्तारण की मंजूरी।

आवास विभाग में ट्रांसफरेबल डेवलपमेंट राइट्स (TDR) को लागू किया जायेगा।

अधीनस्थ चयन आयोग समीक्षा अधिकारी, वैयक्तिक सहायक एवं सहायक लेखाकार पद की संविलियन सेवा नियमावली को मंजूरी।

कुमांउ में एम्स सेटेलाईट सेन्टर, किच्छा के समीप 100 एकड़ की भूमि भारत सरकार को निशुल्क देने की मंजूरी।

देहरादून मसूरी रोपवे में टर्मिनल निर्माण में उंचाई वृद्धि के लिये छूट को मंजूरी।

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रो में मोबाईल टॉवर से सम्बन्धित टॉवर से संबंधित फीस निर्धारण की समस्या का निराकरण किया गया, अब भारत सरकार द्वारा निर्धारित गाईडलाईन को किया अंगीकृत।

उत्तराखण्ड इलैक्ट्रोनिक विज्ञापन मान्यता संशोधन सेवा नियमावली को मंजूरी।

विद्युत नियामक प्राधिकरण से सम्बन्धित प्रतिवेदन विधानसभा पटल पर रखा जायेगा।

केदारनाथ बद्रीनाथ में नये मास्टर प्लान के तहत कन्सलटैंसी शुल्क 3 से बढ़ाकर 4 प्रतिशत करने को मंजूरी।

मेट्रो स्टेशन के समीप व्यवसायिक उंचे भवनों को सैद्धान्तिक अनुमति दी गई। जिससे अधिक संख्या में आम जन एक स्थल से मेट्रो स्टेशन तक पहुंच सके।

पहाड़ पर पार्किंग की समस्या के निराकरण के लिये तीन कार्यदायी संस्था को मंजूरी दी गई। टीएचडीसी, आरवीएनएल, यूजेविएनएल को कार्यदायी संस्था के रूप में मंजूरी।

हरिद्वार जिला पंचायत चुनाव में ट्रिपल टेस्ट योग्यता निर्धारण के लिये उच्च न्यायालय से अनुरोध किया जायेगा, ताकि जल्द चुनाव हो सके।

उत्तराखण्ड लैंड स्लाइड मिटीगेशन इंस्टीट्यूट से संबंधित नियमावली को मंजूरी दी गई।

पैदल ही तहसील पहुंची दून डीएम सोनिका लोगों से जानी असल हकीकत

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून की जिलाधिकारी सोनिका ने अचानक अपनी गाडी तहसील की तरफ मुड़वाई तो किसी को भनक नहीं थी की वो कहाँ जाने वाली है। फिर अचानक एक किनारे गाडी रुकी और पैदल ही डीएम साहिबा तहसील की तरफ बढ़ने लगी। साथ के अधिकारी समझ गए कि आज मैडम तहसील सदर का औचक निरीक्षण करने वाली है। इसके बाद डीएम पहुंची तहसील जहाँ उन्होंने संचालित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने अपना वाहन तहसील चौक पर रोककर वहां से पैदल ही तहसील परिसर पहुंची । निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बारीकी से हर तरफ का निरिक्षण करते हुए कार्मिकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि तहसील कार्यालय में आने वाली शिकायतों/प्रकरणों का त्वरित निस्तारण करें तथा पत्रावलीयों का ठीक प्रकार से रख-रखाव करें ताकि तहसील कार्यालय में आने वाले लोगों को अनावश्यक कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़े। इस दौरान उन्होंने उप जिलाधिकारी एवं तहसीलदार सदर को तहसील में संचालित व्यवस्था में सुधार लाने के निर्देश दिए।

तहसील परिसर में खतौनी कक्ष के बाहर खतौनी नकल लेने वाले लोगों से बातचीत करते हुए तहसीलदार को नियमानुसार नकल देने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि नकल दस्तावेज की दरों की सूची भी अंकित करें ताकि लोगों को सुविधा मिल सकें। इसके उपरान्त उन्होने तहसीलदार कक्ष तथा अन्य स्टॉफ कक्षों का निरीक्षण करते हुए उपस्थित कार्मिकों से संपादित कार्यों के बारे में जानकारी ली। जबकि तहसीलदार न्यायालय कक्ष में निरीक्षण के दौरान कुछ अव्यवस्था पाई गई। जिस पर नाराजगी जाहिर करते हुए पेशकार को व्यवस्थाओं में सुधार लाने के कड़ी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने तहसील कार्यालय परिसर में पहुंचे लोगों की समस्या को सुनते हुए तत्काल तहसीलदार एवं संबंधित पटल प्रभारी को निस्तारण करने के निर्देश दिए। वहीं जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी एवं तहसीलदार को तहसील कार्यालय परिसर में संपादित कार्यों के कक्ष के बाहर साइन बोर्ड एवं नेम प्लेट लगाने के निर्देश दिए।

साथ ही कार्यालय परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पहुंचे लोगों की शिकायत सुनी तथा उप जिलाधिकारी एवं तहसीलदार को तहसील परिसर में व्यवस्था बनाये रखने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा कार्यालय में अपने कार्यों को पहुंचे लोगों की समस्या का निस्तारण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी सदर नरेश चन्द्र दुर्गापाल, तहसीलदार सोहन सिंह रांगण उपस्थित रहे।

नेताओं का श्रवण कुमार, कंधे पर पीएम मोदी और सीएम धामी की तस्वीर लेकर करी यात्रा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अपने श्रवण कुमार की कहानी तो सुनी ही होगी और आपने एक बेटे को अपने माता-पिता को कंधे पर उठाकर यात्रा पर ले जाते हुए भी देखा होगा। इनमें से ज्यादातर यात्राओं में लोग अपनों को कंधों पर उठाकर यात्रा पर निकल जाते हैं।

आज हम आपको ऐसे ही श्रवण कुमार दिखाएंगे जिन्होंने अपने कंधे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की तस्वीर के साथ यात्रा की। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता नवीन ठाकुर के कावड़ आकर्षण का केंद्र रहे।सहसपुर के प्राचीन शिव मंदिर महादेव से शिव भक्तों का जत्था सोमवार शाम सावन की शिवरात्रि पर ब्रह्म मुहूर्त में होने वाले हरिद्वार गंगा स्नान के लिए हरिद्वार के लिए रवाना हो गया। जिसका नेतृत्व भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता नवीन ठाकुर ने किया। इस दौरान सुनील गुप्ता, सिद्धार्थ चौधरी, संदीप अंतिल, कालीराम सकलानी, अनिल कुमार, सूरज रावत, सचिन पंवार आदि लोग शामिल हुए। सहसपुर के स्थानीय लोगों ने सहसपुर बाजार में धूमधाम से जुलूस निकाला और शिव भक्तों को हरिद्वार रवाना किया. मंगलवार को स्थानीय लोगों ने सहसपुर के महादेव प्राचीन शिव मंदिर में कंवर के साथ वापसी यात्रा का स्वागत किया।

इस मौके पर नवीन ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कांवड़ तीर्थयात्रियों के स्वागत चरणों को धोकर और हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा कर सभी का दिल जीत लिया है।कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कारण आज सनातन धर्म और भारत का प्रभुत्व देश में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में स्थापित हो रहा है। दूसरी ओर राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने कंवर पर प्रतिबंध लगा दिया है। डीजे गाना आदि बजाना प्रतिबंधित है। इस साल की कांवड़ यात्रा पूरे देश में इतिहास रचने जा रही है. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कंवर का भव्य समारोह आयोजित किया जा रहा है. सरकार की ओर से कांवड़ यात्रा की तैयारियों में तमाम प्रशासनिक अमला लगा हुआ है। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता नवीन ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री धामी की इस कांवड़ झांकी के जरिए हमने अपने नेताओं को सम्मान देने की कोशिश की है. जिससे कांवड़ का ऐसा भव्य कार्यक्रम संभव हो रहा है।

महामहिम से मिले महाराज

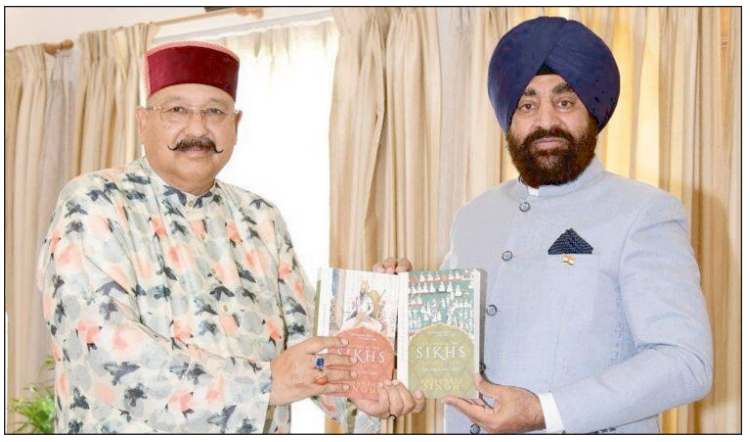

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से. नि.) से राजभवन में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पर्यटन योजनाओं की जानकारी देते हुए राज्यपाल को राज्य में पंजीकृत होम स्टे की जानकारी, मानसखण्ड मंदिर माला मिशन, बद्रीनाथ धाम को स्मार्ट स्पिरिचुअल टाउन विकसित किये जाने के कार्यों, विभिन्न स्थानों में रोपवे निर्माण योजना आदि की जानकारी दी। इसके अलावा उन्होंने सिंचाई विभाग के अन्तर्गत सिंचाई योजनाओं, चैकडैमों के निर्माण आदि के बारे में अवगत कराया। इस दौरान वर्तमान में चल रही चारधाम यात्रा के बारे में भी जानकारी दी।

अब देहरादून-दिल्ली हाईवे पर आवागमन हुआ आसान, कांवड़ यात्रा के चलते हो रही थी परेशानिया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दिल्ली से देहरादून जाने वाले यात्रियों को अब शांति, समय और पैसे की बचत होगी, दरअसल कांवड़ यात्रा से देहरादून-दिल्ली हाईवे पर आज से आवागमन आसान हो जाएगा। बता दें कि 20 जुलाई से मुजफ्फरनगर-मेरठ-गाजियाबाद रूट पर कांवड़ यात्रियों की संख्या बढ़ने के कारण दून से दिल्ली जाने वाली सभी बसों और निजी वाहनों को यमुनानगर-करनाल-पानीपत होते हुए सहारनपुर एक्सप्रेस-वे से दिल्ली भेजा जा रहा था। और इस नया रूट 59 किमी ज्यादा होने से यात्रियों की जेब पर भी पड़ा असर, पहले से ज्यादा पैसे देने पड़ रहे थे। गुरुवार को पुराने रूट पर बस के सुचारू संचालन से यात्रियों से वसूला जाने वाला अतिरिक्त किराया भी कम हो जाएगा। दून के अलावा हरिद्वार, ऋषिकेश और रुड़की से दिल्ली रूट पर चलने वाली बसों का रूट भी सामान्य हो जाएगा।

विस्तार से बताइए तो, पुलिस-प्रशासन ने कांवड़ यात्रा के चलते 20 जुलाई से मुजफ्फरनगर-मेरठ मार्ग पर भारी वाहनों का परिचालन बंद कर दिया था। इससे गुरुग्राम, जयपुर, अलवर, आगरा सहित दून से दिल्ली, फरीदाबाद जाने वाली परिवहन निगम की बसें छुटमालपुर-सहारनपुर एक्सप्रेस होते हुए करनाल, पानीपत से चल रही थीं। जिससे जेबमे काफी असर पड़ रहा था।

मेरठ रोड पर भीड़ बढ़ने पर पुलिस ने 23 जुलाई से करनाल होते हुए निजी वाहनों का रूट भी डायवर्ट कर दिया था। वहीं जब कंवर की भीड़ कम हुई तो पहले ऋषिकेश और हरिद्वार से दिल्ली की ओर जाने वाली बसें बिजनौर होते हुए जा रही थीं। लेकिन बाद में उन्हें देहरादून होते हुए सहारनपुर एक्सप्रेस से करनाल भी भेज दिया गया।बता दें कि, मुजफ्फरनगर-मेरठ मार्ग पर देहरादून से दिल्ली की दूरी 258 किमी है, जबकि परिवर्तित मार्ग पर यह दूरी 317 किमी हो गई थी। दूरी में आए 59 किमी के अंतर से रोडवेज बसों का किराया बढ़ गया था, साथ ही यात्रा में दो घंटे अधिक भी लग रहे थे।परिवहन निगम के महाप्रबंधक दीपक जैन ने बताया कि बुधवार सुबह से दिल्ली मार्ग सुचारू हो जाएगा और बस संचालन निर्धारित मार्ग से किया जाएगा।

मंकीपॉक्स से सावधान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दुनियाभर में मंकीपॉक्स के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और ये वायरस अब खतरनाक रूप लेता जा रहा है। दुनिया के 80 देशों में अब तक 17 हजार से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं तो वहीं भारत में भी इस वायरस ने अपना रूप दिखाना शुरू कर दिया है। बता दे की भारत में भी इसकी पुष्टि हो चुकी है। सिर्फ भारत में ये वायरस अब तक 4 लोगों को अपनी चपेट में ले चुका है। देरी न करते हुए वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने इसे ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर दिया है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो इस वायरस का सबसे ज्यादा असर यूरोप के देशों में देखने को मिला है जहां पर पूरी दुनिया के 80 प्रतिशत मामले यहीं मिले हैं। मंकीपॉक्स की वजह से अब तक 5 लोगों की मौत भी हो चुकी है। भारत में इसको लेकर अलर्ट जारी कर दिया गया है। 21 दिनों के भीतर विदेश की यात्रा करने वाले लोगों की स्क्रीनिंग की जा रही है। भारत में 4 संक्रमित लोग केरल में मिले हैं। संक्रमित पाए जाने पर उनके संपर्क में आने वाले लोगों की भी जांच कराई गई है।

मंकीपॉक्स कितनी तेजी से पैर पसार रहा है इस बात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है। कि ये 80 देशों में 17 हजार से ज्यादा लोगों को अपनी चपेट में ले चुका है। आपको बता दे Monkeypoxmeter.com पर मौजूद डेटा के मुताबिक, अब तक विश्व के 80 देशों में सत्रह हज़ार बानवे केस सामने आ चुके हैं, जिसमे 5 लोगों की मौत भी हो गई है।

इसमें भारत के 4 मामले भी शामिल हैं, जिनमें 3 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। मंकीपॉक्स को ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी घोषित करने के पीछे डब्ल्यूएचओ ने सबसे बड़ी वजह ये बताई है, कि अब इस बीमारी के तेजी से फैलने का खतरा बढ़ गया है और इसलिए इंटरनेशनल लेवल पर मिलकर मंकीपॉक्स से लड़ाई लड़ने की जरूरत है। इस बीमारी के खतरे की अगर बात की जाए तो ये वायरस कोरोना वायरस से कम खतरनाक है। इसके मामलों में मृत्यु दर भी कम है। अभी तक दुनिया में सिर्फ 5 देशों में इस वायरस की वजह से मौत हुई।

इस बीमारी में मास्क पहनना जरूरी है, इसके साथ ही इसमें भी सोशल डिस्टेंसिंग जरूरी है। इसका टेस्ट स्किन के जरिए होता है। इस टेस्ट के बाद ही पता चल पाता है कि संक्रमित व्यक्ति में मंकीपॉक्स का वायरस है या कोई दूसरी बीमारी है।

हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस

15 साल में ही मिल गयी 33 लाख की नौकरी, ये है भारत

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रतिभा उम्र की मोहताज नहीं होती, वह हर मेहनतकश के हाथ में होती है. इस बात को 10वीं के एक स्टूडेंट ने कोडिंग कॉन्टेस्ट जीतकर सही साबित कर दिया है. महाराष्ट्र नागपुर के रहने वाले वेदांत देवकते की उम्र महज 15 साल है. लेकिन उन्होंने अपनी प्रतिभा के दम पर सबको हैरान कर दिया है. एक कोडिंग कॉन्टेस्ट जीतने के बाद उन्हें अमेरिकी कंपनी से 33 लाख के पैकेज पर नौकरी का ऑफर मिला. लेकिन उम्र कम होने की वजह से नौकरी जॉइन नहीं कर पाए.

वेदांत देवकते महाराष्ट्र नागपुर के रहने वाले हैं. वो 10वीं के छात्र हैं. वेदांत बताते हैं, "लॉकडाउन के दौरान क्लासेस बंद थीं. तभी मैंने प्रोग्रामिंग लैंग्वैजेस इंटरनेट पर सीख ली थीं. कुछ बेवसाइट पर और कुछ यूट्यूब से देख-देख कर मैंने प्रोग्रामिंग लैंग्वेज के 24 सर्टिफिकेट किए हैं. इसी बीच मुझे इंस्टाग्राम पर स्क्रॉल करते हुए कम्पटीशन का एक लिंक मिला. फिर उस पर जाकर चेक करने पर पता चला कि ये बेवसाइट डेवलपमेंट का काम है."वो बताते हैं कि बेवसाइट डेवलपमेंट में सीख चुका था. इसलिए इस कम्पटीशन में अप्लाई किया. इसके बाद मैंने उन्हें एक बेवसाइट animeeditor.com डेवलप करके भेजी थी. जिससे मेरा सिलेक्शन हुआ.

ऐसे हुआ सिलेक्शन

वेदांत देवकते ने जिस कम्पटीशन में हिस्सा लिया था उसमें लगभग 1000 लोग शामिल थे. इस कम्पटीशन में अपनी बनाई हुई वेबसाइट animeeditor.com विकसित करके भेजी थी. जिसके बाद कंपनी वालों को मेरी वेबसाइट पसंद आ गई. इस तरह 1000 लोगों में मैं फर्स्ट रैंक लाया. उन्होंने मुझे बताया कि एचआरडी टीम में एक पोस्ट के लिए सेलेक्ट हो गए हैं. उसके बाद वेदांत ने स्कूल के टीचर्स को बताया कि मेरा सेलेक्शन हुआ है.

स्कूल ने दी घरवालों को जानकारी

वेदांत बताते हैं कि मुझे थोड़ा डाउट था कि ये सही है या नहीं. इसके लिए मैंने स्कूल के टीचर्स को इसके बारे में बताया. टीचर्स ने वेदांत के माता-पिता को फोन लगाकर ये बताया कि आपके बेटे ने एक कम्पटीशन में फर्स्ट रैंक हासिल किया है. उसे अमेरिकी कंपनी की तरफ से नौकरी का प्रस्ताव भेजा गया है. लेकिन ये प्रस्ताव सही है या नहीं इसको लेकर कंफ्यूजन था. जिसके बाद टीचर्स और वेदांत ने कंपनी के बारे में जानकारी हासिल की. कंपनी से बात करने के बाद वे आश्वस्त हुए.

सपनों की नौकरी

वेदांत के माता-पिता दोनों प्रोफेसर हैं. पिता एक इंजीनियरिंग कॉलेज में इलेक्ट्रिकल डिपार्टमेंट के प्रोफेसर हैं और मां कंप्यूटर साइंस की प्रोफेसर हैं. वेदांत के पिता राजेश देवकते से बातचीत करने पर उन्होंने बताया, "वेदांत अभी 15 साल का नहीं हुआ है. लॉकडाउन के दौरान सारी पढ़ाई ऑनलाइन हो जाने की वजह से वो अपनी मां के पुराने लैपटॉप पर पढ़ाई किया करता था. इसी बीच उसने कोडिंग सीखने के लिए प्रोग्रामिंग लैंग्वेज के सर्टिफिकेट जीत लिए थे. उसके बाद 3 जुलाई को उसने इस कम्पटीशन के लिए अप्लाई किया था. जिसके बाद 13 जुलाई को कंपनी ने उसे एचआरडी टीम में एक पद पर नौकरी का प्रस्ताव दिया था."

बड़ी खबर : अम्बानी के सपने पूरे करेगी उत्तराखंड की शिखा

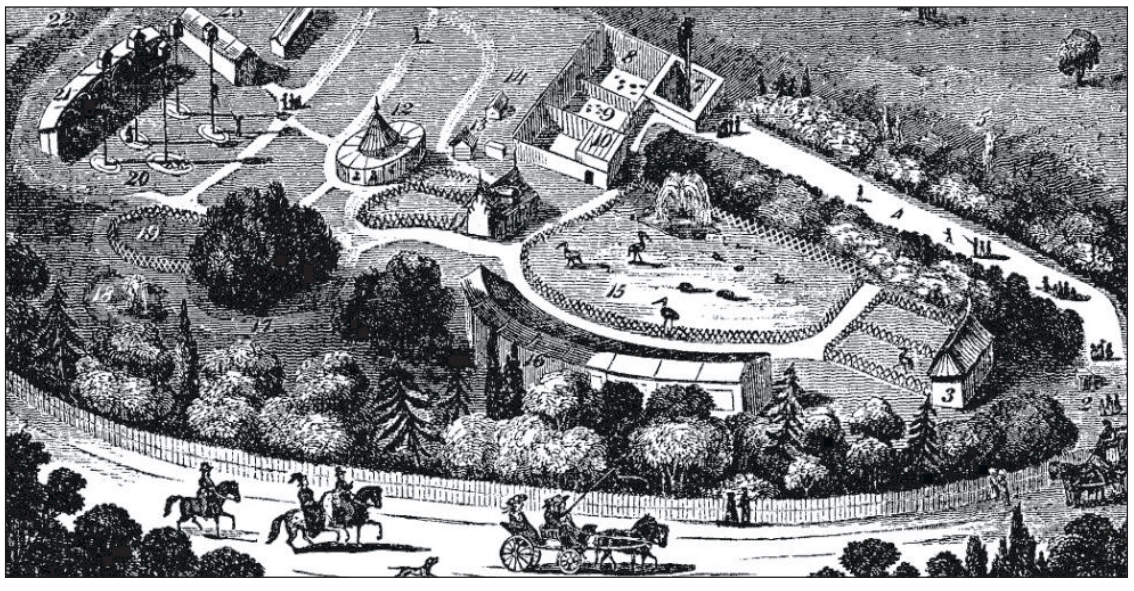

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के नैनीताल ज़ू के दो बाघ अब जामनगर के ज़ू की शोभा बढ़ाएंगे. अब तक ये बाघ नैनीताल स्थित गोविंद बल्लभ पंत चिड़ियाघर में पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र थे, लेकिन अब उन्हें गुजरात ट्रांसफर किया गया है. जिस पर कांग्रेस ने तंज कसा है. कांग्रेस ने तंज भरे लहजे में कहा कि 'लेना जानते हैं, कुछ दिया तो है नहीं'.

मीडिया में आ रही खबरों के मुताबिक अप्रैल 2022 से बाघों के ट्रांसफर की प्रक्रिया चल रही थी. जिसकी प्रक्रिया हाल ही में पूरी हुई है. चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन से अनुमति मिलने के बाद दोनों ही बाघों को यहां से शिफ्ट किया गया है. बकायदा गुजरात से इन दोनों बाघों को ले जाने के लिए स्पेशल टीम और गाड़ी नैनीताल पहुंची थी. बता दें कि गुजरात के जामनगर में रिलायंस इंडस्ट्रीज दुनिया का सबसे बड़ा ज़ू बनाने जा रही है.

बाघ बाघिन शिखा और बेताल है नए मेहमान

नैनीताल के ज़ू में बीते लंबे समय से यह बाघ मौजूद थे. जिन बाघों को जामनगर भेजा गया है, उसमें 3 साल की बाघिन शिखा और 16 साल का बाघ बेताल शामिल है. दोनों ही बाघ ने पर्यटकों के साथ ही ज़ू अथॉरिटी का भी मन मोह लिया था. ज़ू प्रशासन की मानें तो शिखा इंसानों से मिलनसार और मित्रता वाला व्यवहार करती थी.

शिखा को 3 साल पहले नैनीताल के किशनपुर से रेस्क्यू किया गया था. वो अपने परिवार से बिछड़ गई थी. जिसे रानीबाग के रेस्क्यू सेंटर में रखा गया था. बाद में इसे नैनीताल ज़ू लाया गया. ऐसा ही हाल 14 साल के बेताल का भी है. बेताल भी कुमाऊं स्थित बेतालघाट में तारों में फंस कर घायल हो गया था. जिसे रेस्क्यू टीम ने इलाज कर नैनीताल ज़ू भेजा. तब से ये दोनों बाघ नैनीताल ज़ू की शोभा बढ़ा रहे थे.अब ये जोड़ा दुनिया को अपनी मौजूदगी से रोमांचित करेगा

मार्गदर्शक बने एसएसपी अल्मोड़ा प्रदीप राय नशे के खिलाफ लगाई जागरूकता क्लास

एससीपी अल्मोड़ा ने SSJ यूनिवर्सिटी अल्मोड़ा के NSS व अन्य छात्र-छात्राओं को ड्रग्स के प्रति किया जागरुक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स के द्वारा स्थापित नारको कार्डिनेशन सेन्टर (NCORD) मैकेनिज्म के तहत राज्य स्तर से प्राप्त निर्देशानुसार जिला स्तरीय NCORD समिति के सदस्य के रुप में अल्मोड़ा पुलिस प्रशासन द्वारा युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को रोकने के लिए लगातार जन जागरुकता व नशा उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है । जिसके क्रम में अल्मोड़ा के तेजतर्रार एसएसपी प्रदीप कुमार राय ने युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को रोकने के लिए SSJ यूनिवर्सिटी अल्मोड़ा के प्रांगण में NSS व यूनिवर्सिटी के छात्र,छात्राओं को नशीले पदार्थो से होने वाले शारीरिक मानसिक दुष्प्रभाव की जानकारी देते हुए बताया कि जो व्यक्ति नशा करते है और नशे पर नियंत्रण ना कर पाना उनका चुनाव नही बल्कि मजबूरी होती है, जो धीरे-धीरे बढ़ता जाता है । नशा व्यक्ति के हँसते खेलते जीवन व परिवार को तहस-नहस कर के रख देता है । इसलिये आप लोग अपने जीवन में नशा न करने की शपथ लेते हुए और अपने साथियों को भी नशा ना करने के लिए प्रेरित करें।

छात्र-छात्रायें हमारे समाज को नशे के प्रति जागरुक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है । SSP ALMORA द्वारा छात्र-छात्राओं को जिन्दगी को हाँ और नशे को ना कहे शपथ दिलायी गई। शपथ के पश्चात SSP ALMORA द्वारा NSS व SSJ यूनिवर्सिटी के छात्र छात्राओं व पुलिस बल के साथ मिलकर SSJ यूनिवर्सिटी अल्मोड़ा के परिसर में खाली जमीन पर उगी भांग नष्ट की।

भांग को तलवारों से नष्ट किया

नशे के प्रति जागरुकता अभियान के दौरान प्रभारी निरीक्षक राजेश यादव कोतवाली अल्मोड़ा एडीटीएफ प्रभारी सौरभ कुमार भारती, एसओजी प्रभारी सुनील धानिक वरि0 उ0नि0 सतीश चन्द्र कापड़ी कोतवाली अल्मोड़ा, चौकी प्रभारी एनटीडी बिशन लाल, चौकी प्रभारी बेस कृष्ण कुमार डॉ डी एस धामी, कार्यक्रम अधिकारी, NSS , डॉ रवींद्र नाथ पाठक, सहायक कार्यक्रम अधिकारी, NSS SSJ यूनिवर्सिटी अल्मोड़ा, प्रो0 इला साह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, SSJ यूनिवर्सिटी अल्मोड़ा,सुखविंदर सिंह,सीनियर स्वयंसेवक, वैभव गहत्यारी, सीनियर स्वयंसेवक, नंदन जरौत, समस्त NSS स्वयंसेवक एवं दर्जनों छात्र छात्राएं व कोतवाली अल्मोड़ा के अन्य कर्मचारी गण व एसओजी के कर्म0 गण मौजूद रहे ।

जल्द दून अस्पताल में उपलब्ध होगी स्पोर्ट्स मेडिसिन विभाग और कैथ लैब, जानिए इसके बारे में

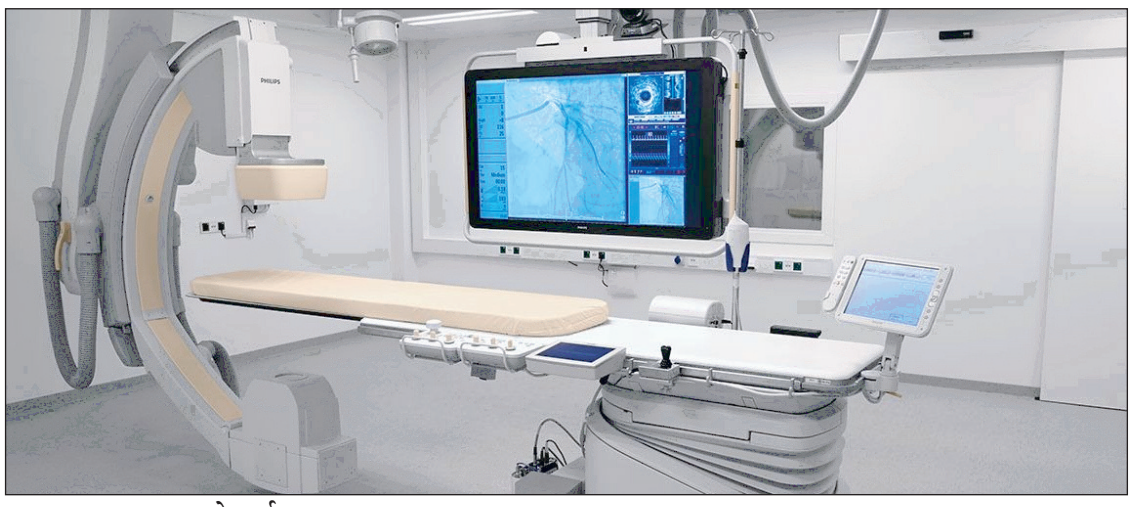

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के सबसे बड़े सरकारी दून मेडिकल कॉलेज में हमेशा भीड़ रहती है, बीमारी का मौसम हो या न हो। देहरादून का दून अस्पताल अन्य अस्पतालों के मुकाबले काफी सस्ता है, दून अस्पताल में भारी भीड़ का यह भी एक अहम कारण है। लेकिन दून अस्पताल में उलझे व्यवस्था के चलते काफी परेशानियों का सामना मरीजों व उनके परिजनों को करना पड़ रहा है। बूँद बूँद से सागर भरता है, धीरे धीरे कर दून अस्पताल भी काफी योजना निकल रहे है। इसी बीच दून मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य आशुतोष सयाना ने मरीजों की सुविधा के लिए कुछ नई योजनाओं के बारे में बताया है।

दून अस्पताल ने पहले भी मरीजों की सुविधा के लिए काफी योजनाएं निकाली है। गौरतलब है की इस बार दून अस्पताल ने दिल के मरीजों के लिए जल्द ही कैथ लैब खोलने का ऐलान कर दिया है। आपको बता दे कैथ लैब क्या होती है, कैथ लैब क्या है? कार्डिएक कैथीटेराइजेशन प्रयोगशालाएं विशेष अस्पताल के कमरे हैं जहां हृदय रोग विशेषज्ञ कोरोनरी धमनी और परिधीय संवहनी विकारों के इलाज के लिए विभिन्न नैदानिक और पारंपरिक हृदय प्रक्रियाओं के साथ-साथ न्यूनतम इनवेसिव तरीकों का उपयोग करके हृदय रोग का निदान और उपचार करते हैं। अस्पताल प्रबंधन ने दावा किया है कि इससे हृदय रोगियों की हार्ट की सर्जरी हो सकेगी। दून मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय के प्राचार्य डॉ आशुतोष सयाना के मुताबिक शासन स्तर पर प्रस्ताव दोबारा से भेज दिया गया है और वहां से सकारात्मक जवाब मिला है।

स्पोर्ट्स मेडिसिन विभाग भी खुलेगाः डॉक्टर सयाना ने बताया कि स्पोर्ट्स के दौरान चोट आदि लगने और खिलाड़ियों की फिटनेस के लिए स्पोर्ट्स मेडिसिन विभाग की भी अस्पताल में स्थापना की जा रही है. इधर डेंगू और कोविड-19 की आशंकाओं के बीच अस्पताल के प्राचार्य का कहना है कि महिला अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग को तोड़कर वहां पर 500 बेड का नया जच्चा बच्चा अस्पताल बनाया जाएगा. इन दो नई योजनाओं से दून अस्पताल में आने वाले मरीजों को काफी सुविधा दी गई और ऐसे में समय-समय पर और योजनाओं की घोषणा की जाएगी, जिसका फायदा मरीजों को मिलेगा।

श्रीनगर में 30 नालों की जमीन पर खुलेगा सरकारी इंटर डिग्री कॉलेज : डॉ. धन सिंह रावत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड सरकार हर क्षेत्र में जनता के लिए तेजी से अपना काम दिखा रही है। हाल ही में कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत की पहल पर श्रीनगर राजकीय इंटर कॉलेज की 30 नाली भूमि पर डिग्री कॉलेज खोलने की तैयारी शुरू कर दी गई है। सोने पे सुहागा तो तब हुआ जब इस जमीन पर डिग्री कॉलेज के साथ एक खेल का मैदान, एक रिन्यूएबल पॉट किचन और चारदीवारी भी बनाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि शिक्षा, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि यहां के बच्चों को कॉलेज में आसानी से प्रवेश नहीं मिलता है. बढ़ती आबादी को देखते हुए श्रीनगर में डिग्री कॉलेज की जरूरत भी महसूस की जा रही थी। जिसके लिए काफी समय से जमीन की तलाश भी की जा रही थी। मंत्री ने कहा कि श्रीनगर के राजकीय इंटर कॉलेज में डिग्री कॉलेज स्थापित करने के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध है। श्रीनगर में केंद्रीय विश्वविद्यालय बनने के बाद कई बच्चों को पढ़ाई का लाभ मिलेगा।डिग्री कॉलेज खोलने की डॉ. रावत की इस पहल से भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, समाजसेवियों, व्यवसायों और शिक्षाविदों में खुशी की लहर

है। उन्होंने अपनी सोच को सकारात्मक और विकासात्मक बताते हुए शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत का आभार और धन्यवाद व्यक्त किया है। शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने कहा कि श्रीनगर में डिग्री कॉलेज खुलने से इस क्षेत्र के छात्रों को आसानी से प्रवेश मिल सकेगा. इसके साथ ही श्रीनगर शिक्षा के हब के तौर पर एक कदम और आगे जाएगा। उन्होंने कहा कि श्रीनगर में डिग्री कॉलेज खुलने से छात्रों और स्टाफ के बाहर से आने से श्रीनगर का कारोबार भी बढ़ेगा।

संपादकीय

मंकीपॉक्स पर गंभीरता जरूरी

दुनियाभर में मंकीपॉक्स संक्रमण के 17 हजार से अधिक मामले सामने आ चुके हैं. हमारे देश भी अनेक हिस्सों में इसके कुछ मामले आये हैं. भारत में स्मॉलपॉक्स की रोकथाम के लिए चलाया जा रहा टीकाकरण अभियान 1979 के आसपास पूरा हो गया था. जिन लोगों को यह टीका लगा है, उन्हें मंकीपॉक्स से 85 प्रतिशत के आसपास सुरक्षा मिल सकती है और शेष को गंभीर संक्रमण नहीं होगा. इसका मतलब यह है कि भारत में या अन्य जगहों पर जिन लोगों की आयु 42 साल से अधिक है, उन्हें समुचित संरक्षण है. जो इससे कम आयु के लोग हैं, उनमें भी सभी को स्मॉलपॉक्स टीका लगाने की जरूरत नहीं है. इसका टीका वैसे लोगों को दिया जा सकता है, जो वायरस से संक्रमित हो चुके हैं या जिनके संक्रमित होने की आशंका अधिक है. उल्लेखनीय है कि अधिकतर संक्रमण पुरुषों के परस्पर यौन संबंधों से फैल रहा है. दुनियाभर के 17 हजार से अधिक मामलों में संक्रमित महिलाओं और बच्चों की संख्या एक प्रतिशत के आसपास है. कनाडा में मॉन्ट्रियल म्यूनिसिपल हेल्थ अथॉरिटी ने स्मॉलपॉक्स वैक्सीन वैसे लोगों को निःशुल्क देना शुरू कर दिया है, जो यह समझ रहे हैं कि उनको मंकीपॉक्स संक्रमण हो सकता है. यह टीका वे लोग भी ले सकते हैं, जो वहां 29 जुलाई से शुरू हो रहे अंतरराष्ट्रीय एड्स सम्मेलन में भाग लेने के लिए गये हैं. यह समझा जाना चाहिए कि मंकीपॉक्स के लिए विशेष टीका उपलब्ध नहीं है, ऐसे में स्मॉलपॉक्स टीका सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है. दुनिया में केवल दो ही कंपनियां हैं, जिनके पास अभी स्मॉलपॉक्स टीका बनाने की मंजूरी है और ये दोनों अमेरिका में हैं. वर्तमान स्थिति में मंकीपॉक्स से संक्रमित व्यक्ति के आसपास के लोगों को टीका देना प्रभावी हो सकता है. इसे 'रिंग वैक्सीनेशन' कहा जाता है. इससे बीमारी को बढ़ने से रोकने में मदद मिलेगी. यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि वैश्विक स्तर पर स्मॉलपॉक्स टीके की बड़ी कमी है. दुनियाभर में इस टीके की जितनी जरूरत है, उसका 1-2 प्रतिशत टीका ही उपलब्ध है. इसी वजह से मैं कुछ सप्ताह से भारत सरकार और टीका निर्माताओं से स्मॉलपॉक्स टीका बनाना शुरू करने का निवेदन कर रहा हूं. मंकीपॉक्स की रोकथाम करने के प्रयास में सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि यह यौन संबंधों के माध्यम से फैल रहा है. विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मंकीपॉक्स को वैश्विक चिंता की स्वास्थ्य इमरजेंसी घोषित करना सराहनीय है. इससे इस बीमारी के बारे में जागरूकता का प्रसार होगा तथा समय रहते इसकी रोकथाम के उपाय हो सकेंगे, लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन को इस बीमारी को विज्ञान, वास्तविकता और तर्कों के आधार पर विश्लेषित करना चाहिए तथा सही सूचना उपलब्ध करानी चाहिए. इस वैश्विक संस्थान को मंकीपॉक्स को यौन संबंधों से होने वाली बीमारी (एसटीडी) के रूप में चिह्नित करना चाहिए. यह जितना जल्दी होगा, इसे रोकने में उतनी ही आसानी होगी. जैसा कि पहले उल्लिखित किया गया है, अब तक विभिन्न देशों में जितने मामले सामने आये हैं, उनमें से 99 प्रतिशत मामले पुरुषों के बीच यौन संबंधों का परिणाम हैं. संक्रमितों में एक प्रतिशत के आसपास ही महिलाएं और बच्चे हैं. यह भी उल्लेख करना जरूरी है कि यह बीमारी अब मनुष्य से मनुष्य को प्रसारित होने के चरण में पहुंच चुकी है और इसे अगर सही तरीके से रोकने की कोशिश नहीं की गयी, तो हमारे देश में आबादी के एक बड़े हिस्से में संक्रमण फैल सकता है.

आइए जानते है क्यों है देहरादून के शहरों के नाम में 'वाला' शब्द

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आपने देखा होगा कि देहरादून में अधिक शहरों के नामों के आगे 'वाला' शब्द का प्रयोग अधिक हुआ है। क्या आपने कभी सोचा है कि ऐसा क्यों है या आपने यह जानने की उत्सुकता दिखाए कि ऐसा क्यों है? मुझे विश्वास है कि आप भी इसके बारे में जानने के लिए उत्सुक रहे होंगे। इसलिए टीम न्यूज़ वायरस आपके लिए यह खबर लेकर आया है, हम भी सटीक कारण नहीं जान पाए, लेकिन फिर भी यह जानकारी आपके काम आ सकती है। देहरादून शहर के अलावा गांवों और पुरानी कॉलोनियों को भी उनके नाम से जुड़े 'वला' शब्द से पहचाना जाता था।

ऐसा माना जाता है कि इस शब्द को संबंधित स्थान की विशेषता के अतिरिक्त महत्व और स्थानीय संस्कृति के अनुसार जोड़ा गया होगा। जानकारों के मुताबिक पुराने जमाने में किसी की भी पहचान उसके काम से या फिर उन चीजों से होती थी, जिसके लिए वह मशहूर है। तो शायद इसीलिए किसी गांव, कस्बे या कॉलोनी की पहचान उसके नाम से जुड़े पहले शब्द से हुई

होगी। इसलिए समय के साथ-साथ लोगों ने संबंधित क्षेत्र का नाम इसमें 'वाला' जोड़कर पुकारना शुरू कर दिया। और फिर धीरे-धीरे यह नाम लोगों की जुबान पर चढ़ गया। यही कारण है कि दून शहर और जिले के लगभग 150 गांवों और कॉलोनियों के नाम के साथ 'वाला' शब्द जुड़ा हुआ है। आइए, हम आपको कुछ ऐसे ही गांव-उपनिवेशों के अर्थपूर्ण नामों से भी परिचित कराते हैं।

डोईवालाः कहा जाता है कि एक समय यह क्षेत्र लकड़ी की करछुल या दोई के लिए प्रसिद्ध था। यहां दूर-दूर से लोग आटा खरीदने आते थे। ऐसा माना जाता है कि इसलिए इस क्षेत्र का नाम डोईवाला पड़ा।

चक तुनवालाः कभी यहां तुन के पेड़ बड़ी संख्या में पाए जाते थे। इसलिए लोग इस जगह को तुनवाला कहने लगे। यहां आज भी तुन के पेड़ देखे जा सकते हैं।

ब्राह्मणवालाः माजरा से पहले आईटीआई के ठीक सामने सड़क पर स्थित ब्राह्मणवाला में कई ब्राह्मण (पुजारी) परिवार रहते थे। लोग इन ब्राह्मणों को पूजा और कर्मकांड के लिए बुलाते थे। कहा जाता है कि इसी कारण इस क्षेत्र को ब्राह्मणवाला कहा जाता था।

रांगड़वालाः रंगड़ एक प्रकार का चावल है, जो कभी पंजाब में उगाया जाता था। पहले इस क्षेत्र में इस चावल की खेती बहुतायत में की जाती थी। इसलिए इसे रंगडवाला कहा जाने लगा।

बड़ोवालाः एक समय की बात है, इस क्षेत्र में बड़ (वट) के पेड़ बहुतायत में पाए जाते थे। इसी कारण इस क्षेत्र का नाम बरोवाला पड़ा।

आमवालाः यहां बड़ी संख्या में आम के बाग हुआ करते थे। इसलिए इस क्षेत्र को आमवाला कहा जाता था।

एसटीएफ को फिर मिली कामयाबी : देहरादून में साइबर ठगी का नेटवर्क चलाने वाले गैंग का पर्दाफाश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

एसटीएफ उत्तराखंड को मिली सूचना , देहरादून में चल रहा है फ़र्ज़ी कॉल सेंटर , जहाँ प्रधानमंत्री योजना के नाम पर आधार कार्ड से लोन दिलाना जिस पर मात्र 1% ब्याज व 50% की छूट का झांसा देकर तथा मोबाइल टावर अपनी जमीन पर लगवाने के नाम पर ज्यादा से ज्यादा किराया देना , विभिन्न प्रकार की घर बैठे बैठे नौकरी देने के नाम पर झांसा दिया जाता है जिसमें उनसे रजिस्ट्रेशन के नाम पर और इंश्योरेंस के नाम पर सर्विस टैक्स सर्विस टैक्स, सिक्योरिटी मनी के नाम से अलग-अलग समय पर मिलाकर 40000 से ₹50000 एक व्यक्ति से ठग लिया जाता है। इस मामले के खुलासे को लेकर सी. ओ. अंकुश मिश्रा के नेतृत्व में एसटीएफ व साइबर टीम का गठन किया गया और विभिन्न स्थानों पर रेड की गई.....

पूछताछ में अभियुक्त द्वारा बताया गया कि उनके द्वारा दिल्ली से एक टेक्स्ट बल्क मैसेज अलग-अलग राज्यों में अपने फर्जी नंबर देकर कई हजार लोगों को सेंड कराया जाता है जिसमें उनके द्वारा दिए गए नंबरों पर पीड़ित व्यक्तियों के द्वारा कॉल किया जाता है और वो उन्हें लैपटॉप में फर्जी उनके लोन के दस्तावेज बनाकर सेंड कर देते हैं और वह इन दस्तावेजों के झांसे में आकर हमें प्रथम बार में रजिस्ट्रेशन के नाम पर 600 से एक हजार रुपए फिर इंश्योरेंस के नाम पर 10 से ₹15000 टैक्स सर्विस के नाम पर ₹10000 के आसपास फिर सिक्योरिटी मनी के नाम से 10000 से ₹15000 रुपए अपने फर्जी अकाउंट में जमा करा लेते हैं उसके बाद उनसे अलग अलग झांसे देकर जो रकम दे सकता है वह ले लेते हैं कस्टमर के ज्यादा कॉल करने पर वह नंबर स्विच ऑफ कर देते हैं या उससे हफ्ता 10 दिन की मांग करते हैं

यह कार्य विगत कुछ माह से चल रहा था जिसमें पूरे भारतवर्ष से लगभग हजारों लोगों को ठगा गया है और 70 से 80 लाख रुपए की धोखाधड़ी की संभावना है। उपरोक्त कॉल सेंटर अनुराग चौक के पास बीएफसी रेस्टोरेंट की उपरी मंजिल में थाना वसंत विहार में चल रहा था। गिरफ्तार अभियुक्तों में दीपक राज शर्मा पुत्र राम लोक शर्मा चिद्दारपत्ति सुल्तानपुर विकास उर्फ राम भजन पुत्र उमेश शर्मा निवासी जिधर भट्टी सुल्तानपुर तथा मौके से फरार सोहित पुत्र अज्ञात निवासी धामपुर का पता चला है

क्योंकि एक रेड टीम द्वारा और की गई थी और उपरोक्त कॉल सेंटर भी ऐसे ही व्यक्तियों से जुड़ा था,सूचना पाकर एक दर्जन से ज्यादा युवतियां मौके से सामान छोड़ कर निकल गयी। टीम द्वारा मौके से दर्जनों डेस्कटॉप,दस्तावेज,लाखो कस्टमर के मोबाइल नंबर,आदि बरामद हुए है जो साइबर ठगी के लिए इस्तमाल हो रहे थे। दो लैपटॉप लगभग दो दर्जन मोबाइल,कॉलिंग हेतु प्रयोग होने वाले, अलग से दर्जनों सिम, देश के अलग-अलग राज्यों के व्यक्तियों के लाखों मोबाइल नंबर हिसाब किताब रखने वाले रजिस्टर जो साइबर ठगी में प्रयोग किए जा रहे थे मौके से बरामद किए गए है

मुख्यमंत्री से मिला पीपीएस एसोसिएशन का डेलिगेशन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से प्रांतीय पुलिस एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट की। तथा रूद्राक्ष का पौधा भेंट किया। एसोसियेशन के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को पीपीएस कैडर रिव्यु के संबंध में भी ज्ञापन सौंपा। मुख्यमंत्री ने सभी पुलिस अधिकारियों को सफल कांवड़ यात्रा के सफल संचालन की भी बधाई दी। इस अवसर पर एसोसियेशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुरजीत सिंह पंवार, उपाध्यक्ष स्वप्न किशोर सिंह, राकेश देवली, श्रीमती शाहजहां अंसारी, डाक्टर जगदीश चंद्र, प्रकाश चंद्र आर्य, रेनू लोहानी, महेश चन्द्र बिजोला एवं विवके कुटियाल आदि उपस्थित थे।

शिशु मृत्यु दर घटाने को चलेगा जागरूकता अभियान : डॉ0 धन सिंह रावत

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिये जागरूकता अभियान चलाया जायेगा। जिसके तहत गर्भवती महिलाओं को आशाओं के माध्यम से सरकारी अस्पतालों में प्रसव कराने के लिये प्रेरित किया जायेगा। इस अभियान को सफल बनाने के लिये नर्सिंग स्टाफ एवं आशाओं को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत विशेष प्रशिक्षण दिया जायेगा। इसके साथ ही प्रदेश को वर्ष 2024 तक टीबी मुक्त करने के लिये 16 अगस्त से आगामी 15 दिनों तक जन जागरूकता अभियान चलाया जायेगा। विभागीय अधिकारियों को इस संबंध में कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दे दिये गये हैं।

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने स्वास्थ्य महानिदेशालय देहरादून में विभाग की समीक्षा बैठक की। जिसमें उन्होंने राज्य में वर्तमान शिशु मृत्यु दर को प्रति 1000 पर 27 से घटाकर इकाई के अंक में लाने के लिये कार्य योजना तैयार करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये। डॉ0 रावत ने कहा कि इसके लिये सर्वप्रथम आशाओं के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को अस्पतालों में प्रसव कराने के लिये प्रेरित किया जायेगा, इसके साथ ही गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को दी जाने वाली स्वास्थ्य सुविधाएं एवं पौष्टिक आहार के बारे में भी जागरूक किया जायेगा। संस्थागत प्रसव को और अधिक सुरक्षित बनाने के लिये प्रदेशभर के नर्सिंग स्टाफ को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत विशेष प्रशिक्षण दिया जायेगा ताकि प्रदेश में वर्तमान शिशु मृत्यु दर को न्यूनतम किया जा सके। इसके साथ ही जिला चिकित्सालयों एवं मेडिकल कॉलेजों में 343 पिक्कू वार्ड एवं 119 निक्कू वार्ड की स्थापना की जा रही है। जहां पर नवजात शिशुओं को किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या उत्पन्न होने पर तत्काल बेहत्तर उपचार दिया जा सके। स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 रावत ने राज्य को वर्ष 2024 तक टीबी मुक्त करने के लिये विशेष जागरूकता कार्यक्रम चलाने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये हैं। जिसके तहत आगामी 16 अगस्त से एक पखवाड़े तक प्रदेशभर में टीबी के प्रति जन जागरूकता अभियान चलाने के साथ ही टीबी रोगियों की पहचान भी की जायेगी।

बैठक में प्रदेशभर में स्वीकृत 115 अर्बन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर की स्थापना संबंधी कार्य प्रगति की समीक्षा की। जिस पर अधिकारियों ने बताया कि 15वें वित्त आयोग के तहत प्रदेशभर में 115 अर्बन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर तथा 23 पॉली क्लीनिक स्वीकृत किये हैं, जिनकी स्थापना के लिये 81 करोड़ 57 लाख की धनराशि स्वीकृत कर टेंडर की प्रक्रिया गतिमान है।

बैठक में सचिव स्वास्थ्य राधिका झा, अपर सचिव स्वास्थ्य एवं मिशन निदेशक एनएचएम डॉ आर0 राजेश कुमार , महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा डॉ0 आशीष श्रीवास्तव, महानिदेशक स्वास्थ्य डॉ0 शैलजा भट्ट, अपर सचिव अमनदीप कौर, अपर निदेशक शहरी विकास अशोक पाण्डे, निदेशक एनएचएम डॉ0 सरोज नैथानी, निदेशक डॉ0 मीतू शाह सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एफआरआई टीम ने वानिकी के विभिन्न पहलुओं के तकनीकी ज्ञान को किया साझा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

विस्तार प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई), देहरादून द्वारा बड़कोट और रानीपखारी ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानों और महिला स्वयं सहायता समूहों और किसानों सहित अन्य हितधारकों के साथ प्रदर्शन गाँव के चयन हेतु प्रांभिक विचार विमर्श गोष्टी आयोजित की गई। ऋचा मिश्रा, आईएफएस, प्रमुख विस्तार प्रभाग और वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. चरण सिंह, डॉ. देवेंद्र कुमार और रामबीर सिंह सहित विस्तार प्रभाग, एफआरआई की टीम ने आजीविका सुधार और रोजगार के संबंध में वानिकी के विभिन्न पहलुओं के तकनीकी ज्ञान को सभी प्रतिभागियों के साथ साझा किया तथा प्रदर्शन गाँव की अवधारणा पर विस्तार से चर्चा की।

अनिल कुमार, प्रधान, ग्राम सभा बरकोट, सुधीर रतूरी, प्रधान, ग्राम सभा रानीपोखरी और अनिल चंदोला, अध्यक्ष, भारतीय ग्रामोत्थान संस्था, ऋषिकेश ने भी अपने विचार व्यक्त किए और प्रदर्शन गांव के चयन के लिए सुझाव दिए. महिला स्वयं सहायता समूहों के प्रतिनिधियों सहित अन्य व्यक्तियों ने काम के अवसर, आजीविका और रोजगार सृजन से संबंधित मुद्दों को उठाया। बैठक के बाद, टीम ने नर्सरी स्थापना हेतु बुनियादी ढांचे की व्यवहार्यता का अंकलन करने के लिए किसानों की भूमि का दौरा किया।

सदर्न हेल्थ फूड्स ने मन्ना गो ग्रेन क्रंचीज़ को बाजार में उतारा

बच्चों के ब्रेकफास्ट के लिए बिल्कुल नया और पौष्टिक तत्वों से भरपूर मल्टीग्रेन प्रोडक्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। 'मन्ना' के नाम से अपने उत्पादों की बिक्री करने वाली कंपनी, सदर्न हेल्थ फूड्स प्राइवेट लिमिटेड ने मन्ना गो ग्रेन क्रंचीज़ के लॉन्च के साथ बच्चों के लिए ब्रेकफास्ट के क्षेत्र में कदम रखा है, जो पौष्टिक तत्वों से भरपूर अपने मल्टीग्रेन प्रोडक्ट है। देहरादून के बजारों में भी यह उत्पाद मिलेगा।

मन्ना गो ग्रेन क्रंचीज़ बेहद सावधानीपूर्वक तैयार किया गया अनाज है जिसमें सूक्ष्म पोषक तत्व, यानी माइक्रोन्यूट्रिएंट्स भरपूर मात्रा में मौजूद हैं। इसे 2 सुपर-ग्रेन सहित 9 अनाज को मिलाकर बनाया गया है, जिसकी एक सर्विंग में सभी जरूरी माइक्रोन्यूट्रिएंट्स का 50 प्रतिशत आरडीए मौजूद होता है, और

इससे 12 घंटों तक बच्चे की पोषण संबंधी जरूरतों की पूर्ति होती है। एस. मुरुगन नारायणस्वामी, सीईओ, सदर्न हेल्थ फूड्स प्राइवेट लिमिटेड बताया कि मन्ना गो ग्रेन क्रंचीज़ को अलग-अलग अनाजों रागी, बाजरा, ज्वार, गेहूँ, कोदो बाजरा, बार्नयार्ड मिलेट्स (सांवा), क्विनोआ, चौलाई और ओट्स के विशेष मिश्रण से तैयार किया जाता है, जिसमें पोषण देने के लिए सभी जरूरी विटामिन एवं मिनरल्स मौजूद होते हैं, साथ ही साबुत अनाज के प्रोटीन और फाइबर बच्चों को संतुष्टि का अहसास होता है।उन्होंने कहा कि, एसएसएफपीएल (मन्ना) मिलेट्स एवं मल्टीग्रेन न्यूट्रिशन फूड्स कंपनी है जिसने माताओं को अपने बच्चों के लिए स्वादिष्ट पौष्टिक भोजन परोसने में मदद करने का बीड़ा उठाया है। अपने इस प्रोडक्ट तथा लॉन्च कैंपेन के जरिए, कंपनी का लक्ष्य ऐसे बच्चों के लिए पोषक तत्वों से भरे स्वास्थ्यवर्धक नाश्ते की अहमियत को बढ़ाना है।मन्ना गो ग्रेन क्रंचीज़ को 4 अलग-अलग वेरिएंट्स चोकोनट, नटी बडी, फ्रूट एंड नट (ब्लूबेरी) और फ्रूट एंड नट (रोज आमन्ड) में पेश किया गया है, जो देश भर में मौजूद स्टोर्स और हमारी वेबसाइट www.manafoods.in के साथ-साथ अमेज़न, फ्लिपकार्ट और दूसरे ईकॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगा।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा